* জী শীরেগদাবরো বিজয়েতাম *



মহু যি ঐকৃষ্ণ দ্বিপায়ুনকৃতগর্গসংহিতোক্তম্

প্রাহরিদাসশাস্ত্রী



প্রকাশক, মুদ্রক ঃ—
প্রীহরিদাসশাস্ত্রী

ब्बीगनाय अर्थातहर्ति त्थाम ब्बीहरिकाम निवाम, कालिश्वहरू, त्थाः—कुम्मावन,

প্রকাশন তিথি— শ্রীরামনব্মী

(जना-मध्रा (उदर अर्फ्न)

হ্যার।ঙ্গাব্দ—৪৯৭ দিতীয় সংস্করণ

প্রকাশন সহায়তা—২.০০ টাকা সর্বাধ্বত সুরক্ষিত।



वीवन्तरमञ्जनाबारमञ्जन

মহধি প্রাক্তম্বায়নকতগগসংহিতোক্তম্

সদ্বান্থ প্রকাশক ঃ— শ্রীহরিদাসশান্ত্রী

जीनमायतरभीतर्हात त्यम

जीरितमात्र निवात, कालियुपर,

(मा:-वृष्मावनः

(जना-गथुता (उन्त व्यतमा)

जीयागत्रकावनवाखरवान गांत्रदेवरअघिकभाष्टिनवागात्राहाधा

कोব্যব্যকিরণসংখ্যমীমাংসাবেদান্ত ভক্তক্তক্রিফবদশ্নভীথ

বিছারত্নাগ্রাপাধ্যলঙ্গনে শ্রীহরিদাসশাস্ত্রিণা

अम्यापित्य ।

প্রকাশনরত-গ্রন্থর্ম ঃ—

बहेत्रेतकात्म , हिन्दिवित्नादिनी छात्राहिन्स् **ओसल् जानठ**ञ्

The state of the second second

至我我我我我我我我我我我我我我我我我们不会不会不会不会不会不会 नर्नमः हिनामा वना ज्याच्या खामाप्ता हिना ।

গর্মংছিভায়া বলভ্রুথণ্ডশু ত্রোদশোহধ্যায়ঃ। শীবলভিদেসহস্রবামিটোরি

সূৰ্যোধন উবাচ। বলভদ্ৰস দেবস প্ৰাড়্বিগাক নহামুনে।

বলভদ্ৰত্য দেবতা প্ৰাড়াবশাক মধানুনো নান্নাং সহস্ৰং মে জহি গুৰ্গং দেবগগৈৱশি ॥১॥ শাড়্বিশাক উবাচ।

সাধু সাধু সহারাজ্ঞ সাধু তে বিমলং মদঃ।
মহ পুচ্ছমে পরামদং গর্পেক্ডেং দেবছুলিভম্ ॥২॥
নামাং সহস্রং দিনানাং বৃদ্ধাসি তব চাপ্রভঃ।
গর্পাচারোধাণ গোপীজোন দত্তং কুফাভটে গুড়েভ ॥৩॥
ওঁ অস্ত্র প্রীবলভদুমহন্রনানস্থোত্রমন্ত্রস্ত্র গর্পাচার্য ঝামিঃ অনুষ্টু প্লন্ধ: সঙ্গরণ: পারমাত্রা দেবতা বলভদ্র ইতি বীজং রেবভীরমণ ইতি শক্তিঃ গনন্ত ইতি
কীলকম্ বলভদ্রহীত্যরং জ্পে বিনিম্নাগঃ।

সুছা জলে শেনমগরঃ কুশাসনঃ প্বিত্রপাণিঃ কুভমন্ত্রমার্জিনঃ।

সুদ্ধ । নহা বল্মচুতাগ্ৰিজং সৃদ্ধরি সমাহিতা ভবেৎ॥৪॥(গঃ ১২ অঃ ২ শৌকি)

व्यथ सानम्

ऋृत्तमगणकित्रोटिश किक्षितीकक्षमार्थर हलम्लककर्णालश् कुछलञ्जीमुथाक्षम् । जुटिमशित्रम्ताछश् मीलस्मघाष्ट्राहार इलगूमलविभालश् कामणाङ्श् मगीस्छ ॥४॥ তুঁ বলভদ্ৰে। রাম্ভদ্রে। রামঃ স্কর্ণোহচ্যতঃ। () রেবতীরমণো দেবঃ কামপালো হলাহ্যঃ॥৬॥ । নীলাম্বরঃ শেতবর্ণো বলদেবে।হচ্যতাগ্রজঃ। 公本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本本 অদিতীয়ো দিতীয়*চ নিরাকারো নির্জনঃ॥১৫🎎 自我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我 🚺 टायान ९ टाक्निड, मांको मळां छ, मख्यवान मथी। মহামনা বুদিস্থনেচতে। হহ ফার আর্ডঃ ॥১৪॥ क्जीसः क्जीताक मञ्ज्यक्षाम् ।। १८॥ रिज्यत्यतभा तमन्जात्रा कान्य कर्ना ह अन्ति ह বিরাট্ সমাট্ মহৌঘশচাধারঃ স্থাসু শুচরিফুমান্ क्लीश्व क्लीक् किं क्यूरकांत्री हीरकत्र প्रजूः। गिविहारता गिविहाता विज्ञी मृज्जी ज्ञी ॥५१॥ কম্বলীম্বো বেগতরো ধৃতরাষ্ট্রো মহাভুজঃ॥১৯ রসীতলো ভোগিতলঃ স্কুরদ্ধে। মহাবলং॥১৮ মতলীস্তলেশ্শচ পাতালশচ তলাতলঃ। বাস,কিঃ শ্ৰচ্ছাতো দেবদতো ধনজয়ঃ। অনন্তঃ শাশ্বতঃ শোষা ভগবান্ প্ররুত্তে গর্গা১২ मुर्वे मुन्दि मुद्रम्यः भरत्माः भत्रमञ्जू ॥५५॥ ममुख्रम। यामरबत्सा माथरवा त्रिवसाडः ॥५०॥ मीत्रशाधिः भन्नशानिन्छष्टौ (दनूतामनः॥৮ वास्ट्रामवक्नानन्तः महत्यवमनः यदाहि ॥৯॥ ह जालारका गुमनी हनी र्हार्यप्रवरता वनी। জীবালা প্রমালা চ হতরালা ক্রবোহব্যরঃ। 🖟 कानिक्नीटक्ताना वीरता क्रवनः छन्निगः। বস্ব্স্মতীভর্তা বাস্দেবো বস্তমঃ। षांतरकरमा माथूरत्रस्भा मानी मानी महामा পরিপ্রতমঃ मोक्का< পর্মঃ পুরুষোত্তমঃ। ठटूर्योरकट्टरर्सम्बट्टर्ग्स्किट्ट्र्या

मछ। त्वाइ भेश्र म समर ह। हार्गर न का १ 🗶 मनकः किंगित्ना मदश्यः कमात्रा (प्रवश्यकः किनिः किनिधिन्नः कारमा निवाजकवर्षत्रः॥३३ श्वांकः श्वांगली 5 वन्माली मध्यदा ॥२०॥ मुशुरी किष्युवी 5 कहेंकी कनकात्रमी 12511 <u> (कार्षि कम्पर्यनावरः)।</u> नात्रक्गाप्रमिष्ठ्यः। गुक्री कुछनी मछी मिथली थछमछनी।) दास्त्रभीमम्मखारम्। मन्यूषि **इ**त्नाठनः

মহাহিঃ পাণিনিঃ শাস্তভাম্বকারঃ পতঞ্জণিঃ॥২৩ है देवकूर ही या खिदन। यह खा नागतना र्वातरन। र्वातः मरहांत्रहष्फष्टवर्भः कालांग्रिः व्यवत्त्रा नद्यः। कांगाबन, किकां हुः (कारोबन एत्रमाः।

र ररमा (यात्श्यंत्रः कृत्या वात्रारु मात्रमा गूनिः क्रत्या विक्रुर्गश्विकः अञ्चित्रकृतित्रमार्वद ।

त्रामिट्य त्राघत्वसः (कालात्मा त्रमृष्ट् ॥२१॥ थब्छिंड्जू किरट कि किंचांद्राहाल। बङ्डा

काकू९छः कक्षािशम् दाएषट्य मर्यनक्षा

भूति। माम्त्रिधिकाडा (क्रीम्नाग्रन्म्दर्ग्ह । रक्षा সৌমিত্রিভরতো ধনী শক্রয়ঃ শক্ত তাপনঃ।

নিষ্দী কৰ্চী খ্জা শারী জ্যাহতকোইকঃ।২৯ यकावाचा मकाच्छा मातिष्ठवसकातकः॥७०॥ বদ্ধগোধাস্ লিতাণঃ শ্ভুকোদ্ভুত্তনঃ।

शिष्ट्रवाकाकारहा बसी विज्ञाया दिव्हा ॥७५॥ बम् नारिकाएकातिविध्येष्यमारुक्र ।

等比较在我在我在我在我的我们就是我们的我们就是我们就是我们就是我们的 অগ্নিগালে। ত্রমুপানো রক্ষাবনলতা শৈতঃ॥৩৮॥ 說我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我 যশোমতিম,তো ভবেয়া রোহিণীলাদিত শি.্জঃ **5ा**थ्रातिः कृष्टेश्ला भनातिस्थाभनात्रिकः॥८५॥ नमहाक्रम् ट. बोषः करमातिः कानित्राख्यकः॥ (गावक्रमग्रम् हा नाक्रिक वषदक्त ॥८॥ अविश्वेश (किभिक्षिक्र(व्राभाम, विवनाभवित्। অ্যারিপে কুকারিণ্ট প্রশার্ব জেখরঃ ॥৩৭॥ 🔰 গজহন্ত। কংসহন্ত। কালহন্ত। কলফ্ড। নালহন্ত। त्रात्रमञ्जनम्बर्ह्या त्राममञ्जनमञ्जन । ५०॥ इष्कातिम् किनातिः करमाकाष्ट छनः। रुभागिकाष्ट्रिकाषायी अधिकृष्ट्रशाहरे ब्रह्माथ्रापिशिष्टिः खीमान् नवनाहिः मूदाफि छः। 🎶 ह्रमङाजूनता नन् षानन् नन्तवन्तनः। কংস্ভাত্নিইন্তা চ মল যুদ্ধপ্ৰবৰ্তকঃ 🖔 ८माकूटमात्मा दमाथभुत्जा तमाशातमा तमामवाखाइ 🖔 💯 द्यायिट्टर्गियद्रत्मरमाद्यात्यात्यात्यात्यात्रे 🔊 स्प्रावरमी हत्मवरमी वरमीवान्निवमात्तमः॥७८॥ त्रावनातिः शुष्टकत्त्वा कानकोरित्रवाङ्गः ॥७८ म् बोदः म् बीदमत्था रुनुग<होन्जानमः॥७० क्वक्रा मिछरक्रमा द्रारमा द्राष्ट्रीवर्तना हन ॥ ७२ 💫 ग्रनिष् निधिश्रिष्टकृष्टात्रनानियागत्र् । भुरुमात्रियंकात्रिक ज्वावर्षारुक् (मञ्चरक्षा द्रावनात्रिनकाम्हनन्द्रशह मञ्जयनमकातो (नञा शक्तिमिञ्ड।

包裁一致我我我我我我我我我我我我们会全个个个个个个个个个个个个个 । हा विकृ कि हु (कर. न। वस्तामा मार्गिक न । १४७ क्रम्त्री भिथती भिष्मी विविषाक्रिमिय मन ॥ ॥ १०॥ ्र विनिष्टेः शुष्टेमक्रादमा खहेः शुहेः व्यव्यिष्टः ॥६१॥ बाका ज्याकः भागाष्ट्रा र्वात्माममहात्र ॥५१॥ क्त्रोक्कक्तरम्मिक् थठिरका त्मघमकनः ॥४४ বিশ্বকর্মা বিশ্বধর্মা দেবশ্বসা দয়ানিধিঃ॥৫৩॥ गमगोडः गिमन्थः ख्रमागन्त्रीषिडः ॥ ८८॥ তারাকঃ কীরনাস*চ বিষোগ্ঠঃ সুস্মত্চ্ছবিঃ। क्याडितकाः भीनारमः शष्ट्रामम्बहुद्दम्गां छः। अत्या देवचळकामांका मधुमाधवामांचळु नात्रावृत्रीत्र ७ कुष्तः गर्षः (शोकः क्षा ७ क राख्याणुत्रमक्षयो तथो (कोत्रत्योष्डिडः। চৈচ্যশক্তঃ শক্তগম্ধে। দন্তবক্লিষ্ দনঃ। गर्।त्रिक्ष्क्वरात्रा गर्।त्रात्काश्लक्ष् 500 ए कः आगनामः (गोत्रार*होश्राश्विद्यः॥88 🛂 श्वाज्यारथी थनाथारका मानाथारका थरनथंतः ४१ (कार्गिकरक्राण्यिकोच्छी देववाकितिकाइङ्ग क्र्यायनकक्ष्यं द्रीश्वाभिकाक्तः क्यो ॥८४ রেবতাপাণাথশ্চ রেবভাবিরকারকঃ ॥৪৬॥ र्मिथिनाफिज्यामारका मानरमा एकदरमनः। गुद्राक्तिमटना गटम्मार्थानकृष्का थांत्रना९ वत्र । পাঞ্জপুত্রসহাররূৎ। কুন্তান্তথঞ্চনকরঃ কুপক্বপ্রহাররৎ ॥৫•॥ क्षत्रकः कष्रत्यो क्षत्रक्त्राधाः ॥८०॥ जमछक्मिरिजा शाखीवी तकोत्रविष्ठः। वींत्रश वींत्रमधनः अधित्कशमायतः ॥४८॥ যুদ্দভূচদ্রবস্থো মন্ত্রী মন্ত্রীবিশারদঃ। (त्रवर्गी छिछ हि। < (त्रवर्गेष्यं प्रमान । । गात्रशांत्र्वनग्रा

निर्शक्षि दिश्रना १ % जि.मा करि छ हो। १ ७ ८॥ । दानि । । तारी मार मार मार में हा निर्मित हो ।। চুতুর্যটো গুরণা গোগেণা গুণাভাগেশা গুণারভঃ। নিত্যোৎক্লরো নিবিকাংঃ করে। হন্ত অসুখো-खनान्त्वा खन्निहिख'न्याजी म्नाकड ॥७७॥ निवर्षिकः ॥१०॥ দুইঃ এদ্ভো ভইছেতো ভবিশ্বচালবিপ্ৰইঃ। ৬৭॥ 🗸 ইল্লাগুজহন্তা চ স্দাম। সোধ্যদারকঃ। ম্নাদিরাদিরানন্দঃ প্রত্যন্ধামা নিরন্তরঃ। ब.क्र.क्राक्षाक्राक्रक बागुर्ना रहात्वारमारमा गर्कनः गर्काविद मार्थः मगर्वामः ममला । रमस्यानजीक्यी शरमा शरमा शमायकः ग्रम्न् ह्योष्डनाकारता निर्मृत्। मृष् तृहर কুরুংম ত্রগতী রামো জামদ্যো মহামুনিঃ ॥৬৪ 🖤 टैनिमियाइनोमाजाबी त्राम्जी जोइदाण्डु ५ ॥६४ ब्रह्मानशक्ष्कषरता विशामी (मावम्स्रुष्ट ॥६३ गद्रामिन्द्र ४ सनमः (शोन्छाः शुनहाज्राः १७।॥ गिष्नाखा अध्यामक दिन्तू दिन्तूम, इतिह ॥७०॥ (वनी जीमत्रथी त्रामा जामनी वरहोमका १७० टाजीहीम, टाडाहवनी बिह्दनी मह यूर्मा ॥७२॥ शककीयानवाम् क्यो दिवहालीविद्यां करः। শালবাতঃ শালহন্ত। তীৰ্যয়ী জনেশ্বরঃ। शुक्रतः रमक्तात्वाषम् नत्नात्राता जगः। इस्था शम्मा नर्मा । इस् । जाती इथी नर्मा। कुड्यांना महाश्रुशा कारद्वों 5 शर्जाक्नो। शक्षामाग्रमकाबौ मखरशामारदोर्थाञ्ड। সরযুদেসতুবন্ধনঃ व्यज्ञाश्राज्ञीयंत्राष्ट्र क

是我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我

बेक्ट, माथा, खट,खत्का वाजीभात्का क्षत्र मिट्री হাস্তাহতিতি চ তাবলো বৈধৃতি তাক্ষরোদরঃ ।৮০% (भक्षेत्रीरभाश्किक्श्रम। (नाकारनाकारनाभिष्ट शब्कः गिमिन्नः करका काक्रिषः ट्रिन्सम्बमः ॥५५ 💥 ड्रोप्तः जीयत्ता गोनायत्ता गिरिन्यत्ता धुनो ॥৮८॥ जिल्हिमार्ता रम्दमरमाता वक्तरलारका दिन्तम् १०॥ ब्रम्थ्याब्काख्यां ज्याशीतमारक्रमा श्वार शिंड मछा नक्स्त्राष्ठ ६ माहि शाहि छ। जन রামোটেবকুঠনাথ*চ ব্যাণী বৈকুঠনায়কঃ। ्रगत्माक्षाम् धिष्ट्रपा त्यारिकोक छेड्र घप**ः**। त्रवारा (प्रत्तात. 45 मानी क्रुप्तास्त्र ॥१०॥ नक्तर बान ग्रामां मुस्म १,० १ वर्ष शुर्द्धम १। <u> जत्रखत्र ब्लत्सारमा जत्रलीमित्र जत्रात्र</u> नः ज्रिट्टक्रीरफ्ट का का अका दक्डा 🦟 कामळत्ता त्रं रुगा कुर्ना कृषां खत्न थेत्र । (ब्यंत्ररका (वासरका (वासी ब्राज्ञांविश्भी ब्राक्ता ५,५%) बक्त बक्तसद्ता बक्ता छात्रका व्याशकः कविः। जरमारम् भ महारवरमा हव हार न ह्यां रिट ह াই জিনন্তপঃ সত্যৎ ভুতু বঃ ফ্রিনিত ব্রিধা ॥৭৩॥ गरमी विमार्गाः मर्गामिनिद्दार्धात्वाय डिज्यान् गितिहरमा श्वनाथक (गोत्रोरमा गितिशक्तर मन् विकारिकक्ति दिमनाक अनुदरमा शाहिष्ट सक् । অ। ধ্যাপ্তকোহবিভূত শচাধিট্দ ? গু শাশ্রাশ ।। নৈমিত্তিকঃ প্রান্ত্রতিক আভ্যতিকময়োলয়ঃ। म् बागरम् । एम् विभिन्न (भैक्य क्ष्या फिट्टा भिन्न । করন্তুঃ শান্তিবঃ শৃক্ষুঃ কারন্ত্র বসহারর । । । । মম্বন্তরাবতারশ্চ মুমুমুসু,তোহনঘঃ। মহাবাযুর্যহাবীর,শচ্টার্রপ্র সুহিত্।

各在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在 ী বৈয়াকরণকছেকো বৈয়াসঃ পাক্তিকাচিঃ ॥৯১ 🧩 রত্নমূলধারী চ (धोতবস্থসমার্ডঃ॥৯৮॥ 🖰 वाकारकाछै १ महक्षाछै (क्षा छेत्रछी त्रमार्थावर। ८भोत्राधिकः श्रुष्टिकरता देवर्छ। विछाविभात्रमः जनकार्ता नक्तार्था वाक्राविम् स्वानिविष्ठा बर्धाः यवत्डाको ६ यवकोत्छ। यवान्नि ॥ ३८॥ গৃঙ্গার উজ্জ্বলঃ স্বচ্ছোইছুলো হালেনা ভয়ানকঃ। शाहाभाहों मर्श्वादि कावाइ ब्राइक टामः। मागाठकनशक्षात्छ। नानाशुळात्रमांकिङ श्रामन्ककः क्रिक ज्ञान्दर्भाविवक्ति। দানামণিসমাকীর্ণো নানার্জবিভূষণঃ। कानामिरभोज्यमा वामी वारमा देनझा झिरका नहुः (वमाछक्र माश्रमाछो गीमारमो कनमाग्राक् কুতান্তকালসম্বাহিঃ কুটঃ কলান্ত(ভরবঃ ॥ ४ ।॥ পণ্ডিতন্তর্কবিদান্ বৈ বেদপাসী শ্রুতীশ্বরঃ ॥৮৯ থপরাশী বিষাশী চ শক্তিহন্তঃ শিবার্থদঃ॥৮৮॥ , বেতালভূদুতসজ্ঞ, বুশাশুগণসংরতঃ ॥৮७॥ প্রমধেশঃ পঞ্জপতিমু ড়োনীশো মূড়ো রুষঃ। , देवटभविद्मा धर्मभाष्टो मर्कभाष्टाषी कब्ना । শুলসূচ্যপিতগজো গজচর্মরেরা গজী ॥৮৫॥ ज्यमानी मुख्यानी नगानी मछक्मछनुः यहानत्ना वीत्र ज्या मक्तवछा विषा हकः। ী কুত্তধারী ত্রিশ্লী চ বীভ্ন্যী ঘর্ষর্ষনঃ। পিনাকটফারকরো লজ্বাহানুপুর্

ग्रज्ञीयत्यक्षा विश्वारिक्षीं विष्णार व्ह ॥ ३६॥ নানাপ্রাকরঃ কৌশা নামাকোশেরবেষধক্। गानागुष्पस्तः गुष्पो गुष्पस्या क्षम्षिष्ठः ॥५७॥ मानादर्गरहा दर्दी नानाव्छक्तः भषा ॥ भग

💥 भाजान्डिभाजानिषीण्डशक्टशक्दरन्षर्डि॥১১५ 🔣 कात्रहः मृख बामुख्डम् मुख्ड कथ टर्कहः १५५० मुक्रोंकिंट मूघलाट क्योंता हामकी त्यन्छन ॥५०१ त्राश्यहे (का ज्ञाश्युरता ज्ञाशिषोत्रग्नदश **छ। प्रवान् अपूर्वाः, को अपूर्वात्रा किशातिग।** হিলেনালো ভৈরবাথংশচ ফ্রাজাতি আরো গুতুও। हैक मा.का निक्र मि विकास ভा*লো* गांन প্রাণ । শুরু মূর্য, মূর কলা শুর ।। ।ऽ∙ ৯ कुर्विष्कुत्र कि छ कुर्युक् बिकुत्रा कुर 8 ॥>>> भीत् छ। स्वीयः गित् जास्वीत्या नत्कास्वीत्या मिन्यः १ 🕎 माधुः व्यित् छ भ। याः माध्ये माध्ये माध्ये माध्ये माध्ये রঙ্গনাথে। বিট্রলেশো মুক্তিনাথে থাইঘনাশকিঃ। में शतका (अघश्रह्मां इंट ब्लीं बारिया भानकश्यक ॥ ল্যী জাগৌ শতানকঃ শত্বাগঃ শত্রভুঃ। নহাবননিবাসী চ লোহাগ্লবনাধিংঃ। किन्गातम् किनान्छत्म किन्गत्ना किन्तान्ति अरक्षाणस्या निक्णामा त्यारमाकाको त्राक्रम সিকতাতুমীচারী চ বালকেলির জি.ভিকঃ॥১৽৩ কুতকোৎসঙ্গুরোলোনঃ কুগুলীভুত আহিতঃ। তক্রতুক্ ভক্রহারী চ দ্ধিচেহিক্তভ্রানঃ॥১০২॥ माथुत्ता म्यूनामनी हनद श्कुनत्माहनः ॥५०५॥ मुक्टरकरमा वदमत्रमः कालिकोक्लानोक्ष्यः द्वाच्चीवक्षकर्ता षांगी षात्मा पत्ना ष्मा। 🏑 जीत्रमावनमकातो वस्मीविज्ञिष्टिः ॥५०८॥ फन्द्रमाग्रमा कृमी श्रस्याम्बर्तनश् , उन्नोत्त्रस्तः भुत्ता घनम्द्रम्माख्यान्। धुनिधुमत्रमर्वाकः काकशक्तरः मृथीः। দ্ধিহন্ত। ত্রম গরে। নবনীত্সিতাশনঃ।

金色在各种在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在 জগ্মাতা জগলাতা জগ্দুর্ত। জগ্ৎপিত। ॥১১৯ उस्तार्कात्वा उस्तात्। वस्त्राका मध्य জ্যদুর্মুজগদ্রাতা জগাঁমারো জগ্মেগখঃ 💃 কুণ্ধারী কুশঃ কোশী কৌশিকঃ কুশ্বিগ্রহঃ। 🐧 দ্বন্তুঃখসংহর্ত। দারকাজনমঙ্গনঃ। অন্ধকোতুনুভিজে'(তঃ প্রজোত সাত্তাৎ পতিঃ अत्राष्ट्रः माष्ट्रः नाष्ट्रः व्यक्तिः । व्यक्तिः व्यक्तिः वाग्रवः । ्रक्रमाश्वांनार्गाटः कामीनात्या (टन्द्रमाम्नः ॥११७ म् अर्थाधियों छः माक्ता द्रांक ठका त्रां छ। विषक् बाङ्कः भर्यनीं जक्क উত্রাসেনে। গহে। हार्वान উত্রদেনবিষয়ঃ পার্থপ্রাথ্যে যুদ্দভাগাঁহঃ। সভাশীলঃ সভাদী?ঃ সভাগ্রিশ্চ সভার্বিঃ। भूत्रामन्जूरिवय्ता (ভाषत्यामात्मध्यः

नात्राज्ञनाखौ वक्ताखो त्रनक्षायो त्रनाष्ट्रहे ॥५५४॥ । करका हिव्या हो ह इबरका हिष्युष्त क ॥ ३ ४ ८॥ অংক্ষাহিণীর্তো যোদ। প্রতিমাপ্ধসংযুত্ত,॥ विद्याला विद्याक्षक्ष विद्या विद्याना कुर. १। विधारी पडाला क्र १८ का विद्यारा हमा मिक्रिशः ॥ মহার্থশ্চাতির্থো জেএৎ গ্রন্ধন্মান্তিতঃ। विधारिक कनमुकारम्। विधारमवाभित्राहरः निवाम्,था निवाहा, हा निवानी हमहाक थ চত্রহঞ্জিরাঃ গ্লাব্লী সামজোদ্দ তথাতুকঃ बक्त गा पत्रक धन्नानी बक्त गापिति, घदन ६

我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我

% व तकाष्ट्रीमकात्री वात्काठार्यविठारः ॥>>>॥

💃 टाकाष मः टाकार्टि। टाकाशाननट्र शहः।

मडाहत्मः मडोडामः मत्मातम् मडामां छः ॥ ५५१

然被我我就就就就我就我我就就就我就我我我我就我就我就我就 वक्षार व्यम्ठाएक वरम्। त्याती त्याताशिवर्छ ॥५७७ শতবারং পঠেদ যন্ত স বিজাবান্ ভবেদিছ॥১৩৩॥ वन्तामाक ४ में भोत्र मर्पर जार्मा कि मानवः ॥ ५०८ অলহরে।তি ভদ্দারং অমদ্ভুকাবলী ভূশ্য।১৩৯ (क्षात्रकर्षेत्रामान्दिलाकिन्द्राह्यात्राद्र । १४०१॥ गर्गिकलक्ती खामाकित्वा गक्रलबंदेतः ॥५७०॥ मह्यावर्ष्यार्टन वलार गिष्ति व्यक्तांग्र । १७८॥ भूवायी लडाड भूवः यनायी लडाड यमम। गक्राक्रलश्य कालिम्नौक्रल प्रयोगाय ज्यो। इन्मित्राक विकृष्टिकाष्टिकार जाभरभव ह। পটলং পদ্ধতিং স্তোত্রং কবচন্ত্র বিধার চ , मर्किमिषिषार, मृगार ठकुर्निकलयाम्। নত্তেভকণ্প্রজিত। মদগক্ষেন বিহ্বলা। हैं निवार मरक्ष वनल्कण कैं दिनम् ॥५७६॥ , वीत्रायाः क्रिडेवशुक्षात्मा वाहरण्या ।।३६४ बाहेरातमाः शहेषतः शहेताकार्याकः गरेः।।>३३ माध्रितः माध्रमनः माध्रकािं कः स्रुधाघनः ॥५७२ % মদে।ৎকটো মুদ্ধবীরো দেবাসূরভয়ক্তরঃ। ১ করিকর্ণাক্নৎপ্রেজৎকুস্তব্যাপ্তকুগুলঃ ॥১২৬॥ डिड शिंडडिड (थारिज्ञा वानवर्षोत्रुर्डात्रुष्टः माधूर्टक्यातायोगः यठकः माधूर्घ्यनाः॥५७॰ অস্বতন্ত্রঃ সাধুমরঃ সাধুতান্তমনা মনাক্। कुन्नवर्षा खामकः भवानिर्दर्गतानान्। क्लं शहेर्वामित्ना हक्काता शिक्ष ख्यम माधूष्टात्री माधूष्टिः माधूरकः खुष्टान्यापः। ब्दार्श वीद्रम् गर्का गर्कत्ना द्रविष्येक् र यहन्त्रशंक्ष्य अर्था मृह (यो एया मृह यह कत्रह ।

がななななななななななななななない。 できんないかんかんかんかんかんかんかん भेतार भंतर महात्रों (जारलाकर थाम यां हि ॥ १६२ नाग्नाः गर्यः म बौदनमुक ऐठार्ड॥१८० % गिक्राजनः भार्यम् यद्ध व्योख्यं (त्रवर्णेश्राष्टः। हिड़ी (अक्रमग्रः भाषः जुळ्ता मर्क्युयः विरु गर्। शाक्रमि कनः शहेत्राभमस्यक्ष ॥५८५ जम। नरमत्त्रम श्रं वनान्यार्गार्गान्त्राचानः

मुत्नां हि त्यां बांच हत्तः म याहि

इष्ट्र गर्ग (क कथिक, जुर्भष

गर्कार्यकः खानलज्यश्यम

विमाकः मुकामामाम जममुखामा।मिष्यः पद्मा थाए.-मार्छताष्ट्र मार्थवाया महिलाया शब्या एका। थाए-विनीरका मुनौरक्षा नकाख्तग्रां याखान कनाम ॥५८७ डेि कि कि व्यक्ति हो जा जिस्से व सरमित्य भक्षा कर श्रिमान नावम हनाह

ভর্বটোইনহুস্ত বলভ্রম্য পরব্দাণঃ কথাং যঃ म्नुटि स्रोतिहरू छश्चानम्मश्रास्य छ्द्छि। ५८८

ইতি প্রীমদ্রর্গিং ফিতায়াং প্রীবলভদ্রথণ্ডে विटामाक्त्रानक्त्राथ ७ स्था ॥ ५८ ८ व्याष्ट्रिमाक्ष्ट्र्यायम् वारम বলভদে সঙ্সনাম্বর্ণনং নাম ज्रामिटभीश्रम्भः ॥५७



ज्ञा ज्ञा शमायतात्रोत्रश्त (ट्यम, भूतान कान्तिमर,

तुर्मात्रा, मध्ता।

॥ जीजीत्रोत्रत्रायत्त्रो विष्ट्राज्ञाम्॥

くこれははないままれているというととなるだができでからからのではないというであるのでのから

হিন্দী অক্সরে মুদ্রিত গ্রন্থ ঃ—

ऽ। (तकाल कर्मन (जाशवङ जाया माजुवान)

जीन्तिः इ हरूकिनी ७। जीमायनाम् उहिष्मिन।

जीत्रोयर्गाविकार्का

जीयांशक्कार्कन मीनिका

खीरमाविन्मनीनाम्ड (मृत्म, हीका, व्यञ्जनाम

मह हिंच्यं मनी हि)

१। क्षेत्र्यी काष्ट्रिजी (गृन, षञ्चताप)

৮। मः कन्न कन्नक्य मिनिक, (माञ्चराष)

। ५०% हिंदा की जाया (मृल अञ्चराप)

১০। जीक्षण छन्। मृत्र, व्यस्ति।

३३। खीरलम मन्त्रह (मृल, हीका, व्यञ्चात)

३३। छत्रम्डिनात्र ममुक्तः (मृन, ब्यन्तात)

১७। वक्रशीं हिन्नामि (मृन, हीका अस्वाम)

১৫ **। बाक्क क**िक त्रुथ काण 581 जीत्नीविक्तृक्तावन्त्र

১७। श्रिज्ञिक्ष्यमात्र मःश्रव

১৭ একভিস্তভি ব্যাখ্যা ১৮। আহরেক্ফমহামন্ত্র ১৯। धर्मगरदार्घ २०। खोटिएजगर्मिक सुधांकत

२)। मन०क्यांत म्रहिला २२। खीनांगामुख ममुख

२७। दामथ्यदक्ष (माञ्चराष)

२८। फिना जिन । (माञ्च नाप)

२०। यकौशावभिताम भत्कौशाव श्राज्यामन २७। खोताषात्रम स्थमानिषः (मृत) २९। जीतासात्रमञ्जूषानिष्ठिः (मृत्य, णव्या, णञ्जूदाप मङ्) ३४। मायन मीशिका २३। खारमाविक्यनीलाग्ड (ग्ल, जिका, जास्वाम गर)

" (५->> मर्ग) (১২-२७ मर्ग)

७५। बोटिनम्प्रमायुन्य ७२। बोटनरियक्तिराष्ट्राप्त्यः ७३। जिक्कि लिका ७०। खोत्रक्तमः हिल एक। त्यम् श्रिक्य ग्रह्मः ७१। उद्देशम् (मृत, तिक", माधूनाष) ७०। व्याम्य द्रष्टारती

७७ । प्रभारत्नाको छात्रम्, ७३। खाष्ट्रीकत्रमामु इर भाष

৪০। গায়ত্রী ব্যাখ্যাবিবৃতিঃ, শ্রীজীবগোসামি প্রণীতা অগ্নিপুরাণস্থ গায়ত্রী ব্যাখান,সন্ধ্যোপাসনা বিধিসমন্বিভা বাংলা অক্সরে মুদ্রিত গ্রন্থ ঃ—

- ৪১। শ্রীসাধনামৃতচন্দ্রিকা (পয়ার)
- ৪২। ভগবন্ধক্রিসার সমুচ্চয় (সামুবাদ)
- ৪৩ ৷ শ্রীরাধারসম্বানিধি (মূল,)
- 88। শ্রীরাধারসমুধানিধি(সামুবাদ) ৪৫। ভক্তিসর্বস্ব

৪৬। মনঃশিকা ৪৭। ভক্তিচাঞ্জকা

- ৪৮। রায় শেখরের পদাবলী
- ৪৯। জীবলভদ সহস্রনাম স্তোত্তম ৫০। তুর্লভগার

প্রকাশনরত গ্রন্থরত্ন ঃ—

১। ভগবত-সন্দর্ভঃ ২। পর্মাত্ম-সন্দর্ভঃ

- ৩। কৃষ্ণ-সন্দর্ভ: ৪। শ্রীহরিভক্তিবিলাস:
- ৫। ঐটেচভরচরিতার ত-মহাকাবাম
- ७। औरे ह ज हिता जा मूर्म (मृल, जास्ता पिरणी)
- १। औरहर्मा । ११ की रहर्म । मिर्टर्म । सिर्देश
- ৯। সাধকোল্লাসঃ (বাংলা)

